PCSMANTRA.COM

बेलूर से भद्रा: हाथियों का स्थानांतरण और मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौती

समाचार: 16-17 नवंबर 2026 | अध्ययन: 18 नवंबर 2026 मुख्य परीक्षा: GS-III, पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता और मानव-वन्यजीव संघर्ष



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

चर्चा में क्यों?

कर्नाटक के हासन ज़िले के बेलूर तालुक में हाथियों के हमलों में दो लोगों की मृत्यु के बाद स्थानीय विरोध हुआ। द हिंदू की 16 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) के उसी दिन के आदेश में 10 नर जंगली हाथियों को पकड़ने और स्थानांतरित करने की अनुमति दी गई। यह विवरण समाचार-रिपोर्ट पर आधारित है; आदेश का मूल पाठ उपलब्ध स्रोतों में नहीं मिला।

ज़िले के प्रभारी मंत्री के.एम. शिवलिंगे गौड़ा ने क्षेत्र में घूम रहे सभी 56 हाथियों को एक महीने में भद्रा वन्यजीव अभयारण्य की ओर खदेड़ने की बात कही। **10 हाथियों की बताई गई लिखित अनुमति और 56 हाथियों के बारे में मंत्री का बयान एक ही बात नहीं हैं।** 56 हाथियों के लिए उसी लिखित आदेश की अनुमति मान लेना गलत होगा।

अभियान की स्थिति: 17 नवंबर तक

द हिंदू की अगली रिपोर्ट के अनुसार, सात प्रशिक्षित कुमकी हाथी बिक्कोडु के अस्थायी शिविर पहुँच गए थे। प्रोजेक्ट एलीफ़ेंट के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक मनोज राजन ने बताया कि शुरुआत हाल की दो मौतों के लिए ज़िम्मेदार बताए गए दो नर हाथियों को पकड़ने से होगी। अभियान की अवधि हाथियों की गतिविधियों पर निर्भर करेगी। अधिकारी ने यह आश्वासन भी नहीं दिया कि भद्रा क्षेत्र से हाथी वापस नहीं लौटेंगे। इसे अभियान पूरा होने की सूचना न समझें।

राहत और स्थायी समाधान में अंतर

तत्काल ख़तरे में लोगों की सुरक्षा, भीड़ का नियंत्रण, प्रशिक्षित दल और पशु-चिकित्सा सहायता आवश्यक हैं। लेकिन किसी हाथी को दूसरे वन में छोड़ देना अपने-आप संघर्ष समाप्त नहीं करता। वह पुराने क्षेत्र में लौट सकता है; नए क्षेत्र के लोगों, अन्य हाथियों और उपलब्ध संसाधनों पर भी दबाव पड़ सकता है। चिक्कमगलूरु में योजना का विरोध और भद्रा की वहन-क्षमता का प्रश्न इसी व्यापक प्रभाव की ओर संकेत करते हैं।

वैज्ञानिक निर्णय की कसौटी

पर्यावरण मंत्रालय की अनुशंसित संचालन प्रक्रिया हाथी को पकड़ने को अपरिहार्य परिस्थितियों में अंतिम विकल्प मानती है। निर्णय के लिए विश्वसनीय क्षेत्रीय आँकड़े, प्रभावित समुदाय, वनकर्मी, जीवविज्ञानी और पशु-चिकित्सकों की भागीदारी तथा व्यवस्थित निगरानी पर बल है। प्रक्रिया में मनुष्य और हाथी, दोनों की सुरक्षा तथा दीर्घकालीन देखभाल की लागत पर विचार होना चाहिए।

स्थानांतरण से पहले मूल स्थल पर संघर्ष का कारण, सही हाथी की पहचान, वैकल्पिक उपाय, प्राप्तकर्ता आवास की स्थिति और स्थानीय समुदाय की सुरक्षा जाँची जानी चाहिए। स्थानांतरण के बाद गतिविधियों की निगरानी और दोबारा संघर्ष होने की स्थिति की योजना भी चाहिए। ये नीति-विश्लेषण की कसौटियाँ हैं; यह दावा नहीं कि बेलूर अभियान में प्रत्येक उपाय लागू हो चुका है।

दीर्घकालीन उपाय

- आवास और हाथी गलियारों की निरंतरता बनाए रखना, ताकि हाथियों को मानव-बस्तियों से गुज़रने की मजबूरी कम हो।
- भागीदारी आधारित पूर्व-चेतावनी, त्वरित प्रतिक्रिया दल और सुरक्षित आवाजाही की स्थानीय व्यवस्था।
- स्थलानुकूल, वन्यजीव-अनुकूल अवरोध और उनकी देखरेख; किसी एक तकनीक को हर स्थान का समाधान न मानना।
- फ़सल और अन्य नुकसान पर समयबद्ध सहायता, समुदाय से नियमित संवाद और पारदर्शी सूचना।
- केवल पकड़े गए हाथियों की संख्या नहीं, बल्कि मृत्यु, चोट, फ़सल-क्षति और दोबारा संघर्ष में कमी से सफलता मापना।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"मानव-हाथी संघर्ष में स्थानांतरण तात्कालिक हस्तक्षेप हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं।" बेलूर-भद्रा प्रकरण के संदर्भ में विवेचना कीजिए। (250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका: मानव जीवन और आजीविका की सुरक्षा तथा हाथियों के संरक्षण को संयुक्त लक्ष्य के रूप में रखें।

मुख्य भाग: (1) 10 नर हाथियों की रिपोर्ट की गई अनुमति और मंत्री के 56 हाथियों वाले बयान का अंतर। (2) तात्कालिक सुरक्षा और विशेषज्ञ दल की भूमिका। (3) वापसी, प्राप्तकर्ता क्षेत्र में संघर्ष और वहन-क्षमता की सीमाएँ। (4) मंत्रालय की संचालन प्रक्रिया के अनुरूप अंतिम विकल्प, प्रमाण और पशु-कल्याण की कसौटी। (5) गलियारे, पूर्व-चेतावनी, क्षतिपूर्ति और स्थानीय भागीदारी का संयुक्त ढाँचा।

निष्कर्ष: प्रशासनिक सफलता केवल स्थानांतरण की संख्या नहीं, दोनों क्षेत्रों में संघर्ष और नुकसान की स्थायी कमी है।

PUSHKARTRA.COM

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

10 और 56 हाथियों के आँकड़ों में क्या अंतर है?

10 नर हाथियों की पकड़ और स्थानांतरण की अनुमति का विवरण समाचार-रिपोर्ट में है। 56 हाथियों को भद्रा की ओर खदेड़ने की बात मंत्री के बयान के रूप में रिपोर्ट हुई; दोनों को एक ही लिखित अनुमति न मानें।

कुमकी हाथी क्या हैं?

ये प्रशिक्षित पालतू हाथी हैं जिनका उपयोग विशेषज्ञ दल जंगली हाथियों को दिशा देने और पकड़ने जैसे अभियानों में करते हैं।

क्या स्थानांतरित हाथी वापस लौट सकते हैं?

हाँ, लौटने और फिर संघर्ष होने का जोखिम है। 17 नवंबर की रिपोर्ट में अधिकारी ने वापसी न होने की गारंटी नहीं दी।

स्थायी समाधान किन बातों पर निर्भर है?

आवास और गलियारों, समुदाय की भागीदारी, पूर्व-चेतावनी, उपयुक्त अवरोध, सहायता और परिणामों की निगरानी के संयुक्त प्रयास पर।

स्रोत

- https://www.thehindu.com/news/national/karnataka/capture-translocation-of-10-elephants-permitted-by-forest-department-after-two-deaths-in-belur-taluk/article71708571.ece
- https://www.thehindu.com/news/national/karnataka/forest-dept-prepares-to-launch-operation-to-capture-trouble-causing-elephants-in-belur-taluk/article71712333.ece
- http://www.moef.gov.in/uploads/pdf/Rop_for_caputre_translocation_elephants_distress_conflicts.pdf
- https://moef.gov.in/uploads/2019/08/01-HEC-guidelines.pdf

PCSMANTRA.COM